His Divine Grace A. C. Bhaktivedanta Swami Prabhupadā's teachings

VANIPEDIA

The Essence of Vedic Knowledge

श्रील प्रभुपादजी के मुफ्त ऑनलाइन विश्वकोश
खोज कीजिये - आस्वादन कीजिए - सांझा करिये - समर्थन दीजिए

श्रील प्रभुपाद के द्वारा निर्देशित हरे कृष्ण महामंत्र जाप करने के ६४ तरीके

आवृत्ति

- पूरे दिन सारी रात
- सदैव
- जितना संभव
- हर समय
- हर क्षण में
- निरंतर
- लगातार
- नित्य जाप मालापे
- लगातार
- अधिक से अधिक
- नियमित रूप से
- बारम्बार
- दैनिक चौबीस घंटे
- जब भी संभव हो
- स्थिरता के साथ
- बिना विफल सोलह माला

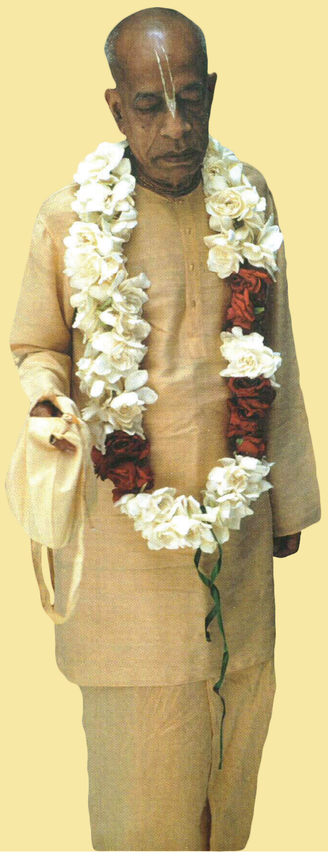

भाव

- सावधानीपूर्वक
- भक्तिपूर्वक
- विश्वास के साथ
- भावना सहित
- भगवान कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए
- गंभीरता से
- प्रसन्न्ता पूर्वक
- विनम्र भाव से
- किसी भी परिस्थिति में
- आनंदपूर्वक
- शान्ति से
- विशुद्ध नाम
- गंभिरता से
- दिव्या भावना भावित होकर

के साथ

- एक मजबूत शपथ
- दृढ़ संकल्प
- भक्ति
- परमानंद
- आस्था और विश्वास
- आस्था और श्रद्धा
- बड़ी खुशी
- बहुत आनंद
- हमारे दिल और आत्मा
- प्यार के आँसू

किसी भी बिना

- निंदा
- पश्चाताप
- उद्देश्य

विधि

- भक्तो के समूह में
- शुद्ध भक्त द्वारा निर्देशित
- स्पष्ट रूप से जपना और सुनना
- आसानी से
- केवल
- बिना किसी अपराध के
- जोर से और विनम्रता से
- अच्छी तरह से
- पूरी तरह से
- गंभीरता से अभ्यास
- उचित रूप से
- ताल मिलाकर
- कोई शोर सराबा किये बिना
- बिना कोई पाप किये
- बिना बिचरित हुए
- बहुत ध्यान पूर्वक
- जब गर्भ में हो या गर्भ से बाहर
- नींद के दौरान
- बहुत श्रद्धा और विश्वास के साथ
- जीभ की नोंक से
- मन ही मन जाप कर सकते हो

हरे कृष्ण हरे कृष्ण
कृष्ण कृष्ण हरे हरे
हरे राम हरे राम
राम राम हरे हरे

http://vaniquotes.org/wiki/64_ways_to_chant_Hare_Krsna

वाणीपीडीआ- जो कि इंटरनेट पर श्रील प्रभुपाद के गौरवशाली प्राकट्य है, इस के निर्माण में शामिल होने के लिए हम आप को आमंत्रित करते है - जो सभी के लाभ के लिए है.
हमें ईमेल भेज सकते हैं - vaniseva@vanipedia.org

His Divine Grace A. C. Bhaktivedanta Swami Prabhupadā's teachings

VANIPEDIA

The Essence of Vedic Knowledge

श्रील प्रभुपादजी के मुफ्त ऑनलाइन विश्वकोश
खोज कीजिये - आस्वादन कीजिए - सांझा करिये - समर्थन दीजिए

श्रील प्रभुपाद के द्वारा निर्देशित हरे कृष्ण महामंत्र के जाप से होने वाले ६४ परिणाम

जाप करने से हम बन जायेंगे...

- आध्यात्मिक जीवन में उन्नत
- लाभान्वित
- उज्ज्वल चेहरा
- पूर्ण रूप से शुद्ध
- शुद्ध ज्ञान के स्तर पर पहुचना
- दिव्यता को प्राप्त करना
- कृष्ण के प्रति प्रेम में जागृति
- सारे ख़तरो से मुक्ति
- जीवन की जटिलताओं से मुक्ति
- पापी जीवन के संक्रमण से मुक्ति
- भौतिक दुःखो से मुक्ति
- संसारिक बंधनो से मुक्ति
- संसारिक संक्रमण से मुक्ति
- मिथ्या अहंकार की गलतफहमी से मुक्ति
- पापी कर्मो के फलो से मुक्ति
- दोष युक्त अवस्था से मुक्ति
- अपराधों से मुक्ति
- पूर्ण रूप से शुद्ध
- पूर्ण रूप से सुधार होना
- धीरे धीरे कृष्ण के प्रति आकर्षितत
- आंतरिक रूप से स्वच्छ
- इसी जीवन में मुक्ति
- पूर्ण पुरुषोत्तम परमेष्वर के प्रेमी
- पूर्ण
- सभी परिस्थितियों में संरक्षित
- एक ब्राह्मण के रूप में दीक्षित होने योग्य
- परिशोधित
- आध्यात्मिक जीवन में गिरने के खतरों से वचा हुवा
- कोमल हृदय
- आध्यात्मिक रूप से मजबूत
- महानतम ध्यानी
- महानतम योगी

जाप करने से...

- एक पत्थर दिल इंसान भी पिघल जाएगा
- आसुरीक गतिविधियां बंद हो जाएँगी
- सब कुछ बहुत आसान हो जाता है
- भूत टिक नहीं सकते
- धीरे धीरे हम दिव्य आनंद कि अनुभूति करने लगते है
- संसारिक अस्तित्व समाप्त हो जाता है
- कृष्ण के प्रति हमारा नित्य प्रेम(जो कि अभी सुप्त अवस्था में हैं) तुरंत जागृत हो जाता है
- हमारी आँखें आँसुओं से भर जाएँगी
- हमारी आवाज लड़खड़ाती हैं
- संसार क्र सारे व्यक्ति बहुत खुश रहेंगे
- बहुत ज्यादा लाभदायक प्रभाव होंगे
- मन के सारे मैल धूल जायेंगे
- भगवान् अपने आप को स्वतः प्रकट करेंगे
- जीवन की समस्यायों का समाधान बहुत सरलता से मिल जाते हैं
- हम कृष्ण का ध्यान आकर्षित करते हैं
- हम में दैवक गुणो का स्वतः रूप से विकास होता है
- हम कृष्ण के साथ सीधा व्यवहार करते हैं
- हम में भाव और परमानंद का विकास होता है
- हमें दिल की धड़कनो का ऐहसास होने लगता है
- हम तुरंत दिव्य स्तर को प्राप्त होते हैं
- हम अपने आप को मुक्त्त अवस्था में रखते हैं
- हमें कभी भी थकावट की अनुभूति नहीं होती है
- हम एक अध्यात्मिक गृह को प्राप्त करते हैं
- हमें भागवत प्रेम प्राप्त होता है
- हम रसराज श्री कृष्ण का आस्वादन करते हैं
- हम माया की बौछार को झेलते हैं
- हम पुनः अपने घर,भगवद्धाम लौट जाते हैं
- हम सत्त्व गुण के स्तर को प्राप्त होते हैं
- हम आध्यात्मिक जीवन के स्तर को प्राप्त होते हैं

http://vaniquotes.org/wiki/64_results_of_chanting_Hare_Krsna